आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 07-03-2014

आज बाबा ने बार-बार कहा, बाजोली का खेल याद करो, इस खेल में सारे चक्र का, ब्रह्मा और ब्राह्मणों का राज समाया हुआ हैं.

भक्ति में कई भक्त मानता रखते हैं की अगर भगवान मेरा ये काम सफल कर दे तो में तीर्थ स्थान पर बाजोली करते-करते जाऊंगा. शरीर को कष्ट देते हैं.

ज्ञान में बाबा ने हमें समझाया की हम ब्राह्मण आत्माये भी इस सृष्टि रुपी ड्रामा के चक्र में पार्ट बजाते, बाजोली का खेल करते हैं.

हम आत्माये कैसे बाजोली का खेल करती हैं, नीचे बताये हुए टेबुल के जरिए समझेंगे.

ये सृष्टि रुपी ड्रामा का चक्र पांच युगों से पसार होता है -

सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग और संगमयुग.

सतयुग --> देवी-देवताये ---> सतोप्रधान ---> 16 कला संपूर्ण आत्माये

त्रेतायुग --> क्षत्रिय ---> सतो ---> 14 कला आत्माये

द्वापर युग --> वैश्य ---> रजोप्रधान से रजो ---> 12 से 8 कला आत्माये

कलियुग --> शूद्र ---> तमो से तमोप्रधान ---> 8 से 0 कला आत्माये

संगमयुग ---> ब्राह्मण ---> तमोप्रधान से सतोप्रधान ---> 0 से 16 कला संपूर्ण आत्माये

सबसे पहले हम आत्माये सतयुग के आदि में पार्ट बजाने आते है तब संपूर्ण सतोप्रधान देवी-देवताओं के रुप में पार्ट बजाते हैं. देवी-देवताओं की आत्माये 16 कला संपूर्ण होती हैं. त्रेतायुग में हम आत्माये 14 कला हो जाती है, तो आत्माओं का स्टेज सतो हो जाता है और हम देवी-देवताओं मेसे क्षत्रिय हो जाते हैं. उसके बाद द्वापर युग से आत्माये रजोप्रधान स्टेज में आती हैं और द्वापर युग के अन्त तक रजो बन जाती हैं. आत्माओं की क्वालिटी भी 12 से 8 कला हो जाती हैं. द्वापर युग में हम आत्मायें वैश्य के रुप में पार्ट बजाते हैं. उसके बाद कलियुग में हम आत्माये शूद्र बन जाती हैं और तमो के स्टेज से कलियुग के अन्त तक तमोप्रधान बनती हैं. आत्मा की क्वालिटी भी 8 कला से 0 कला हो जाती हैं.

संगमयुग पर बाबा आते है और हम आत्माओं को ब्रह्मा द्वारा ऐडप्ट करते है और हमें शूद्र से ब्राह्मण बनाते हैं. बाबा हमें ज्ञान देकर हमारी बुद्धि को दिव्य बुद्धि (ईश्वरीय बुद्धि) बनाते हैं. हम आत्माओं को तमोप्रधान से संपूर्ण सतोप्रधान बनने का रास्ता बताते हैं. और हम आत्माये स्वयं का पुरुषार्थ कर, कल्प पहले माफिक नम्बरवार, वापस अपना संपूर्ण स्टेज प्राप्त करती हैं और बाबा के साथ घर चली जाती हैं. फिर से नम्बरवार सतयुग से हम आत्माये अपना पार्ट प्ले करने परमधाम से नीचे आते हैं.

बाबा ने हमें समझाया की ऐसे हम आत्मायें इस बेहद के सृष्टि चक्र के ड्रामा में बाजोली का खेल करते हैं.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma Bhai on email – a.brahmin.soul@gmail.com